RAM TAHAL CHOUDHARY COLLEGE

ORMANJHI, RANCHI, (JHARKAHND)

TEMPORARY AFFILIATED UNIT OF RANCHI UNIVERSITY, RANCHI (JHARKHAND)

Prospectus ...

महाविद्यालय का उद्देश्य

प्रधानाचार्य के कलम से...

एक समर्थ समाज की स्थापना का निर्धारण शिक्षा के आधार पर होता है, क्योंकि सामाजिक मूल्य, संस्कार, संस्कृति की रक्षा एवं उनका अनवरत परिचालन स्वाध्याय–स्वक्रम में शिक्षा की अवधारणा को जागृत करता है। इस महाविद्यालय की कल्पना ही एक जिज्ञासा का प्रमाण है। इस अत्यंत ही आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े क्षेत्र में महाविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य सामाजिक आवश्यकता का प्रमाण है। शिक्षा ही सामाजिक मूल्यों का आधार है, इस प्रतियोगात्मक अवधारणा के निरंतरता की वृद्धि हेतु इस महाविद्यालय के द्वारा दी जाने वाली शिक्षा, जहाँ इण्टर स्नातक एवं स्नातक (सामान्य एवं प्रतिष्ठा) स्तर की पढ़ाई प्रत्येक संकाय में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान उपलब्ध है छात्राओं के लिए अलग से छात्रावास की व्यवस्था की जा रही है। व्यावसायिक पाठ्यक्रम के माध्यम से डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित के लिए प्रयासरत है, जिसके माध्यम से छात्र–छात्राओं को व्यावसायिक क्षेत्र में शिक्षा का विस्तार दिया जा सकता है।

अतः महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मियों, छात्र–छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षाविदों एवं क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों के सहयोग से सम्पूर्ण छोटानागपुर प्रमंडल एवं राँची विश्वविद्यालय, राँची के अन्तर्गत एक विकसित आदर्श संस्था के रूप में प्रतिस्थापित करने का उद्देश्य वर्तमान प्रधानाचार्य द्वारा अनवरत जारी है।

डॉ० [illegible] महतो
प्रधानाचार्य

R.T.C. COLLEGE LIBRARY
S. No. ....

Message from pen of the Director...

Ram Tahal Choudhary College Dardag, Ormanjhi, Ranchi was established in [illegible] and properly education started from [illegible]. This college, in an area dominated by tribals, Harijans, backward castes and backward minorities, today stands like a towering peak of the Himalayas, spreading the light of knowledge in form of a giant banyan tree. Prior was this, higher studies the students after schooling were often blocked. There was no college within a radius of 50 km. Poor girl's education to stop completely.

Dedicated social worker Shri Ram Tahal Choudhary, the Two times MLA and five times MP from this Ranchi parliamentary constituency who took the Jharkhand movement to the peak of heights. Illuminated the society with educational light, this thought used to shake again and again in the mind of the saint, it was he "how to remove this area from illiteracy and ignorance" and illuminate it with the light of knowledge with confidence. I was well acquainted with the spirit of this person's feelings, for the solution of this problem he had specifically hired me with the complete trust to fulfil his determination.

I gladly accepted too with respect. Before this there was also in the name primary to class 10th and Shivaji Pratibha Vikas Vidyalaya running successfully in Dardag, Ormanjhi, Ranchi. Due to those arrangements, there was no difficulty in starting college education. Arrangements were made to take college classes in the morning and day schooling.

The college will run smoothly, we also had to give its faith to the people, we used to go door-to-door, motivating matric pass students to take admission to this college and start teaching with full enthusiasm and energy. We got success too. Earlier, for the proper operation of the school and college, the [illegible] Vidyapracharini samiti ([illegible]) was registered with the Government of Bihar, Patna, due to which its operation was accessible, successful.

People also donate land for running the school and college in which Shri Tirth Nath Mahto, Chhedi Mahto, Paras Nath Mahto, Chintamani Mahto, Ropan Mahto, etc donated enthusiastically. In order to arrange funds, the village Donations and Lottery was used to play in which the fund was arranged for running the college. In the beginning, in addition to me, Shri Pyarelal Mahto, Dr. Radha Narayan Mahto, Shri Mahesh Mahto, Suresh Prasad, Chhedi Mahto and many other social workers gave their support and cooperation. The most remarkable thing was that for the first many years of the unpaid principal, due to this no further problem has arisen, yes some anti-social elements tried unsuccessfully disturbances The inspiration, protection and encouragement of Shri Ram Tahal Choudhary Jee has always been received, as result of which today this college has gained a reputation is available in the interest of the country and society, then this college will definitely be successful in fulfilling the educational needs of this area.

My heartfelt wishes and determined cooperation is always dedicated to this college.

Dr. Paras Nath Mahto
Director
Ram Tahal Choudhary College, Ormanjhi, Ranchi

राम टहल चौधरी

जन्म तिथि 01-01-1942

पूर्व सांसद, राँची लोकसभा, समाजसेवी

महाविद्यालय का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य एवं वर्तमान

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के आधार पर इस महाविद्यालय की स्थापना महान नेता श्री राम टहल चौधरी के द्वारा 15 अगस्त, 1986 ई० में की गई थी। यह महाविद्यालय छोटानागपुर प्रमंडल के राँची जिला में अवस्थित है, राँची जिला के राँची अनुमंडल की, इस महाविद्यालय का उद्देश्य शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से अविकसित, पिछड़े क्षेत्र में शिक्षा का अलख जगाना ही रहा है। संस्थापक पुरोधा ने निश्चित ही यह सोचा होगा कि, एक विकसित एवं स्वस्थ समाज की स्थापना में शिक्षा का महत्व सर्वाधिक होता है। शिक्षित जनमानस से ही शिक्षित एवं सुसंस्कृत समाज का निर्माण अपेक्षित है।

स्थापना काल से ही इस महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातक स्तर तक कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के विषयों की पढ़ाई समर्पित प्राध्यापकों द्वारा प्रारंभ किया गया। प्रत्येक विषयों का शिक्षण भी योग्य एवं समर्पित प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में शुरू किया गया।

इस महाविद्यालय के प्रथम प्रधानाचार्य डॉ. अमर कुमार चौधरी का योगदान अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहा है, उनका कार्यकाल बहुत छोटा रहा है। उनके बाद डॉ. भोला नाथ महतो का योगदान काफी ही प्रशंसनीय रहा, महाविद्यालय को आगे बढ़ाने के लिए जगह जगह पर लॉटरी खेलाकर एवं धन उगाही कर महाविद्यालय के बुनियादी ढाँचे को खड़ा किया गया। क्योंकि उन्हें आरम्भ काल की सारी समस्याओं से सामना होना पड़ा। उनके द्वारा प्रतिस्थापित मूल्यों को आज भी सहेज कर रखा गया है। जो श्री श्री राम टहल चौधरी द्वारा स्थापित आदर्श एवं शैक्षणिक मूल्यवत्ता आज भी सुशिक्षित प्राध्यापकों के निर्देशन में जारी है। शिक्षकों की सूची में श्री आदित्य प्रसाद साहु का योगदान भी सराहनीय रहा है।

यह महाविद्यालय राँची विश्वविद्यालय, राँची की अंगीभूत संबंधन प्राप्त इकाई तो है ही, साथ ही यह महाविद्यालय UGC के 2(f) Regulation के तहत पंजीकृत भी है।

महाविद्यालय के वर्तमान प्राचार्य डॉ० श्रीम महतो कृत संकल्पित हैं कि महाविद्यालय का विकास त्वरित गति से हो और शैक्षणिक वातावरण सुदृढ़ हो। वे महाविद्यालय को UGC से अनुदान प्राप्त कराने के लिए प्रयासरत हैं।

महाविद्यालय के वर्तमान प्राचार्य के द्वारा NAAC से मूल्यांकन कराने हेतु तीव्र गति से महाविद्यालय का विकास करवाया जा रहा है। NAAC से मूल्यांकन की अनिवार्यता को ध्यान में रखकर प्रत्येक क्षेत्र में Academic गतिविधि को प्राथमिकता देकर बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। महाविद्यालय को आज सभी के संसाधनों से विकसित किया जा रहा है। महाविद्यालय में समय–समय पर सेमिनार का आयोजन कराया जा रहा है। समय–समय पर संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय की गरिमा को प्रतिबिंबित करता है।

महाविद्यालय में व्यावसायिक शिक्षा का शुभारम्भ भी 2024–28 से प्रारम्भ के लिए प्रयासरत है।

महाविद्यालय में निम्नलिखित अन्य व्यवस्था है:–

Smart Class : महाविद्यालय में Smart Classes निर्मित है एवं सुसज्जित है। जिसका उपयोग छात्र–छात्राओं की शिक्षा में किया जाता है।

Computer Lab : महाविद्यालय में आधुनिक Computer Lab की व्यवस्था है।

E-Library : महाविद्यालय में E-Library की व्यवस्था है जिसमें लगभग 10,225 Reference Books & Text Books उपलब्ध है।

प्रवेश सम्बन्धी नियम

(क) महाविद्यालय के किसी भी विभाग में नामांकन के लिए CUET या Common University Entrance Test या रांची विश्वविद्यालय के चांसलर पोर्टल के माध्यम से की जाती है। महाविद्यालय के निर्देशिका की प्रति में महाविद्यालय सम्बन्धी नियमों की संपूर्ण जानकारी अभ्यर्थी को प्राप्त करायी गई है।

(ख) चांसलर पोर्टल में सूचीबद्ध अभ्यर्थी को नामांकन आवेदन का हार्ड कॉपी के साथ अभिप्रमाणित/फोटो प्रतियाँ आवश्यक रूप से संलग्न की जाएँ। चयन के पश्चात् नामांकन के लिए निर्धारित तिथि के प्रमाण–पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होगी।

1. स्कूल अथवा कॉलेज छोड़ने का प्रमाण–पत्र (School or College Leaving Certificate)
2. अंक–पत्र (Marks Sheet)
3. पिछली बोर्ड या विश्वविद्यालय परीक्षा का प्रवेश पत्र। (Admit Card)
4. पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति (S.C.) एवं अनुसूचित जनजाति (S.T.) के लिए जाति प्रमाण–पत्र।
5. चरित्र प्रमाण–पत्र। (Character Certificate)
6. पासपोर्ट आकार के दो नये फोटो।

(ग) महाविद्यालय के विभिन्न वर्गों में प्रवेश के लिए स्थानों की संख्या निर्धारित है। अतः चयन, अंकों के आधार पर ही किया जाता है। चयनित प्रवेशार्थियों की तालिका महाविद्यालय के सूचना–पट्ट पर प्रकाशित की जाती है। ऐसे प्रवेशार्थी निर्धारित तिथि तक महाविद्यालय में प्रवेश (नामांकन) प्राप्त कर लें। इसमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को प्रवेशार्थ आरक्षण का लाभ सरकारी नियमानुसार दिया जायेगा।

(घ) नामांकन (Admission) के समय ही झारखंड विद्यालय परीक्षा समिति अथवा विश्वविद्यालय में क्रमशः सूचीकरण (Enrolment) या पंजीयन (Registration) के लिए विहित आवेदन पत्र भरकर निर्धारित शुल्क के साथ कार्यालय में आवश्यक रूप से जमा करना होगा। दूसरे विश्वविद्यालय से नामांकन कराने वाले छात्र/छात्रा को पंजीयन के निमित्त पूर्व विश्वविद्यालय का प्रव्रजन प्रमाण–पत्र (Migration Certificate) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

(ङ) छात्र/छात्रा द्वारा आवेदन–पत्र में अंकित किये गये अभिभावक का पता बदल जाने की स्थिति में सूचना अविलम्ब महाविद्यालय कार्यालय को देनी चाहिए।

(घ) आवेदन–पत्र भरने से पूर्व विषय–समूह का चयन अंतिम रूप से कर लिया जाना चाहिए। बाद में विषय परिवर्तन से पाठ्यक्रम एवं प्रायोगिक का प्रशिक्षण पूरा करने में कठिनाई हो सकती है। स्नातक–प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम के प्रथम खण्ड में नामांकन कराने के साथ ही विषय–परिवर्तन की अनुमति विहित प्रक्रिया द्वारा दी जा सकती है।

निःशुल्क, निर्धन छात्र कोष एवं छात्रवृत्ति
Free-Studentship, P.B.F. & Stipends

परिषद/विश्वविद्यालय परीक्षा प्रपत्र भरने के पूर्व महाविद्यालय द्वारा निःशुल्कता के लिए विहित प्रपत्र में छात्र/छात्राओं से निर्धारित तिथि तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र भर देने मात्र से निःशुल्कता का दावा नहीं किया जा सकता। नियमानुसार निःशुल्कता विभिन्न वर्गों में नामांकित छात्रों के कुछ प्रतिशत को ही दी जाती है। सामान्यतः निःशुल्कता का आधार निर्धनता, पूर्व परीक्षाओं में प्राप्तांक, पाठ्यक्रम का उचित अध्ययन एवं अपेक्षित है। अंतिम निर्णय प्राचार्य द्वारा गठित निःशुल्कता समिति द्वारा ली जाती है।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा समुदाय एवं पिछड़ा वर्ग सूची–II के छात्रों को कल्याण विभाग से छात्रवृत्ति मिलती है जिसके लिए विहित प्रपत्र में यथासमय आवेदन–पत्र समर्पित करना होता है। मानव संसाधन विकास विभाग झारखण्ड सरकार द्वारा मेधाविता–सह–निर्धनता छात्रवृत्ति (Merit cum – Poverty Scholarship) निम्न आय वर्ग (Low Income Group) छात्रवृत्ति एवं ऋण छात्रवृत्ति (Loan Scholarship) दी जाती है। जिसके लिए समाचार पत्रों में प्रकाशित तिथि तक एक निश्चित प्रपत्र में महाविद्यालय के माध्यम से आवेदन करना होता है। ऋण छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने के लिए पिछली परीक्षा में न्यूनतम 60% अंक होना चाहिए। छात्रवृत्तियों का भुगतान बैंक के माध्यम से होता है जिसके लिए छात्रों को बैंक में एकाउण्ट (खाता) खोलना पड़ता है। छात्रवृत्तियों के संबंध में विस्तृत जानकारी सम्बन्धित कार्यालय सहायक से प्राप्त की जा सकती है।

नोट – निःशुल्कता एवं छात्रवृत्ति का लाभ साथ–साथ नहीं मिलता है।

समय–सारणी

निर्धारित समय से वर्ग–संचालन हेतु महाविद्यालय द्वारा समय–समय पर वर्ग तालिका (Routine) प्रकाशित की जाती है जिसके अनुरूप शिक्षकों द्वारा वर्ग संचालित किये जाते हैं। नामांकन के पश्चात् छात्र आवश्यक रूप से अपने वर्गों की जानकारी वर्ग–तालिका से ले लें।

सभी संकायों में वर्ग संचालन के प्रथम सप्ताह शुरू तथा प्रातः कालीन पाली में ही चलते हैं। महाविद्यालय की अवधि 10:30 बजे पूर्वाह्न है। प्रातः कालीन पाली में पुस्तकालयसमिति 10:00 बजे से 02:00 बजे है।

साइकिल शेड

साइकिल, स्कूटर, मोटर साइकिल का उपयोग करने वालों के लिए महाविद्यालय में साइकिल शेड की व्यवस्था है।

खेल-कूद (Sports & Athletics)

छात्रों के लिए महाविद्यालय में खेल-कूद की व्यवस्था है। खेलों में अभिरुचि रखने वाले छात्रों को समूह में खेल प्रभारी/पी.टी.आई. के द्वारा खेल सामग्री उपलब्ध करायी जाती है। अन्तर महाविद्यालय/अन्तर विश्वविद्यालय खेलों/टूर्नामेन्टों आदि में भाग लेने वाले छात्रों को खेल प्रभारी से सम्पर्क करना चाहिए।

कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट, बैडमिन्टन, टेनिस, शतरंज आदि खेल नियमित रूप से आयोजित होते हैं।

वाद-विवाद परिषद (Debating Society)

महाविद्यालय में वाद-विवाद समिति है। उसकी संयोजक द्वारा समय-समय पर राजनैतिक, शैक्षिक एवं ज्वलन्त राष्ट्रीय विषयों पर वाद-विवाद आयोजित किये जाते हैं। अंतर्विश्वविद्यालय एवं अन्तर्राज्यीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में भी छात्र भाग ले सकते हैं। शैक्षिक उपलब्धि एवं व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ नेतृत्व की क्षमता भी वाद-विवाद में भाग लेने से छात्रों में विकसित होती है।

सूचना पट्ट (Notice Board)

नामांकन के लिए चयनित छात्रों की सूची, वर्ग-तालिका, परीक्षा प्रपत्र में भरने की तिथि, विभिन्न परीक्षाओं के कार्यक्रम, निःशुल्कता, छात्रवृत्ति, एन.एस.एस. आदि से सम्बन्धित सभी आवश्यक जानकारियाँ महाविद्यालय के सूचना पट्ट पर प्रकाशित किसी सूचना को न फाड़ें। ऐसा करने पर वे दण्ड के भागी होंगे।

छात्र सदन (Common Room)

कक्षाओं के बीच अवकाशकालीन अवकाश (Recess) के सदुपयोग के लिए छात्र सदन में समाचार पत्र, पत्रिकायें, अन्य उपयोग क्रीड़ा सामग्री आदि की व्यवस्था रहती है।

व्याख्यानमाला (Seminars & Symposia)

छात्रों के ज्ञान-वर्धन के लिए महाविद्यालय में समय-समय पर दूसरे विश्वविद्यालयों से लब्ध-प्रतिष्ठित विद्वानों को आमंत्रित कर व्याख्यान माला का आयोजन किया जाता है समसामयिक विषयों पर महाविद्यालय में विचार-गोष्ठी संगोष्ठी (Seminar & Symposia) भी आयोजित होते हैं। जिसमें छात्र सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं

छात्र/छात्राओं के लिए सामान्य निर्देश

i) महाविद्यालय की उच्च गरिमा के निर्वाह के लिए यह सर्वथा आवश्यक है कि छात्र सदाचार एवं अनुशासन का परिचय दें। अशिष्ट व्यवहार एवं अनुशासनहीनता के लिए उनका नाम महाविद्यालय से काट दिया जायेगा।

ii) प्रधानाचार्य-कक्ष, शिक्षक-प्रकोष्ठ, छात्रा-सदन, पुस्तकालय एवं कक्षाओं के सामने अनावश्यक भीड़ न लगाएँ। छात्र वर्ग कक्षों में बिना अनुमति प्रवेश न करें। बिना अनुमति के प्रधानाचार्य-कक्ष एवं शिक्षक-कक्ष में प्रवेश न करें।

iii) कोई भी आवेदन प्रधानाचार्य को प्रत्येक दिन के बाद 12:30 बजे तक ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए। बाद में प्राप्त आवेदनों पर दूसरे दिन विचार किया जायेगा।

iv) महाविद्यालय में ज्ञान एवं कर्म की शिक्षा दी जाती है। अतः इसके परिसर को स्वच्छ रखना छात्रों का कर्तव्य है। इधर-उधर थूकना, दीवारों एवं नोटिस बोर्डों पर कुछ लिखना सर्वथा वर्जित है।

v) महाविद्यालय की सम्पत्ति की रक्षा करना छात्रों का दायित्व है। कक्षाओं के बेंच-डेस्क, विद्युत उपकरणों एवं पेड़-पौधों को क्षति न पहुँचाएँ।

vi) विद्यार्थी महाविद्यालय में ज्ञानार्जन के लिए आते हैं। परिसर में किसी राजनैतिक दल या उनसे सम्बन्धित संगठनों की बैठकों, प्रदर्शनों में भाग न लें। जाति-पाँति, धार्मिक विद्वेष एवं हिंसा से सदा दूर रहें।

vii) महाविद्यालय परिसर, कक्षाओं एवं परीक्षा भवनों में किसी भी रूप में मादक पदार्थों का सेवन वर्जित है।

viii) कक्षा में पठन आदि के दौरान अपने मोबाइल को बन्द रखें।

ix) प्रवेश के लिए आवेदन पत्र, सूचीकरण/पंजीकरण प्रपत्र, परीक्षा प्रपत्र, छात्रवृत्ति प्रपत्र, पहचान पत्र, निःशुल्कता या कोई अन्य आवेदन पत्र छात्र स्वयं भरें और अपने स्पष्ट हस्ताक्षर करें। ऐसा नहीं किये जाने पर महाविद्यालय उत्तरदायी नहीं होगा।

x) पाठ्येतर कार्यक्रमों (Extra Calcular) में छात्र-छात्रा नियमित रूप से भाग लें।

xi) पठन-पाठन से सम्बन्धित समस्याओं के लिए विभागाध्यक्ष/प्रधानाचार्य से सम्पर्क करें। अन्य विभिन्न समस्याओं के निवारण के लिए संबंधित प्राध्यापक से सम्पर्क करें।

xii) विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार किसी भी छात्र को महाविद्यालय में अपना आवेदन स्वयं करेंगे, महाविद्यालय स्तर से ही उसका निवारण करवाया जायेगा।

(डॉ॰ भीम महतो)
प्रधानाचार्य
राम टहल चौधरी महाविद्यालय, ओरमांझी, राँची

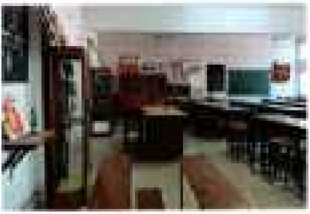

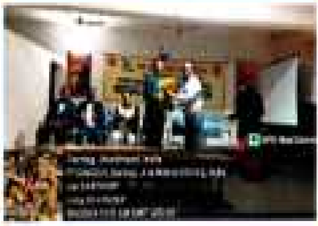

RAM TAHAL CHOUDHARY COLLEGE

ORMANJHI, RANCHI, (JHARKAHND)